अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का मासिक मुखपत्र

अगस्त, 2024 अंक 313

अध्यक्षीय कार्यालय :
SARITA DAGA
45-46, Gem Enclave, Pradhan Marg,
Malviya Nagar,Jaipur-302017
Mob.: 9413339841
Email: president@abtmm.org

अध्यक्षीय आह्वान

प्रिय बहिनों,

सादर जय जिनेन्द्र!

भारतीय संस्कार और संस्कृति की धरोहर को सुरक्षित एवं संरक्षित रखने वाले हमारे महत्वपूर्ण पर्व आषाढ़ी पूर्णिमा से प्रारंभ होकर सावन माह की हरियाली के रूप में लहलहाते है। चातुर्मास का शुभारंभ, स्वतंत्रता दिवस और रक्षा बंधन जैसे पर्व हम सब को सम्बोध प्रदान करते है, अधिकारों के साथ दायित्व का बोध भी करवाते है। हरे-भरे सावन के आगमन से जहाँ प्रकृति मुस्कराती है वहीं हमारा मन भी उल्लास, उत्साह व उमंग से सराबोर हो जाता है। बहिनों के लिए सावन शुक्ला द्वितीय को सिंजारा एवं सावन शुक्ला तृतीया को हरियाली तीज का पर्व खुशियों की सौगात देने वाले है। चातुर्मास प्रारम्भ होते ही चारित्रात्माओं के सान्निध्य का लाभ हमारे मन, भाव और विचारों को धर्म, अध्यात्म, तप और जप की ओर अग्रसित कर देते है। प्रत्येक व्यक्ति जीवन के हर क्षण को संजीदगी से जीने की आकांक्षा संजोता है और जीवन को सार्थक दिशा की ओर अग्रसर करता है किन्तु जब तक अंतर्मन अध्यात्म की गहराई तक नहीं पहुँच पाता है तब तक संजीदगी का सपना अधूरा-अधूरा सा है। जीवन के विकास का क्रम है- परिवर्तन। परिवर्तन सृष्टि का नियम भी है और यह परिवर्तन नवीनता का द्योतक भी बनता है। परिवर्तन के मुख्य दो प्रकार है- बाह्य परिवर्तन और आंतरिक परिवर्तन। हमें दोनों परिवर्तनों को आत्मसात करना है। एक छोटी सी कहानी का उल्लेख करना चाहूंगी-

एक बार एक महात्मा ने सत्संग में बैठे लोगों के सामने प्रश्न रखा कि दुनिया में सबसे ठंडी चीज क्या है? सत्संग में बैठे जौहरी ने कहा- बसरा का मोती सबसे ठंडा है।

उपस्थित वैद्य ने कहा- महात्मा जी, बसरा का मोती ठंडा हो या न हो, मुझे लगता है चंदन सबसे ठंडा है, क्योंकि देह में दाह-ज्वर जैसा भयंकर रोग भी उत्पन्न हो जाए तो चंदन का लेप किया जाता है।

पंडित ने अपनी बात रखते हुए कहा- मोती और चंदन ठंडे हो सकते हैं मगर गंगा का जल सबसे पवित्र और ठंडा होता है क्योंकि वहाँ डुबकी लगाने से सारे पाप धुल जाते है।

किसान का अभिमत था- महात्मा जी, मेरा अभिमत है कि मानव मात्र को सबसे ज्यादा ठंडक पहुँचाने वाली है आषाढ़ माह की पहली बारिश।

अनेक उत्तर सुनने के बाद महात्मा जी ने कहा, सभी के दृष्टिकोण यथा स्थिति सही है मगर ये सारी वस्तुएं हमारे बाह्य शरीर को ठंडक पहुँचाने वाली है पर हमारे भीतर को ठंडक पहुँचाने वाली, आत्मा को ठंडक पहुँचाने वाली है- 'जिनवाणी', जो हमारी आत्मा के कल्मष को धोती है। यह कहानी हमें आंतरिक और बाह्य दोनों परिवर्तन से आगाह करवाती है।

बहिनों, प्रतिवर्ष चातुर्मास काल में हम प्रवचन सुनते है, अध्यात्म का श्रवण करते हुए जप, तप, ध्यान, स्वाध्याय आदि

क्रमशः पृष्ठ 2 पर

POWERHOUSE

रोज की एक सलाह

परिष्कार करते-करते मनुष्य भगवान भी बन सकता है। जीवन को सफल बनाने के लिए आदमी को अपने विचार, आचार व व्यवहार अपेक्षित परिष्कार करते रहना चाहिए।

ईमानदारी के प्रति सघन आस्था व उसका अनुपालन जहाँ स्वयं की आत्मा के लिए कल्याणकारी है वहीं समाज-व्यवस्था को स्वस्थ बनाने वाली है।

-आचार्य महाश्रमण (रोज की 1 सलाह से साभार)

अध्यक्षीय आह्वान

पृष्ठ सं. 1 से जारी...

में लीन होते है पर गहराई से दृष्टिपात करे तो स्पष्ट है जीवन में कोई खास परिवर्तन परिलक्षित नहीं होता। इसका मुख्य कारण क्या है? हमारे भीतर की कमजोरी है या हमारा आत्मबल कमजोर है? नहीं, जैन दर्शन तो आत्मा को अनन्त शक्ति सम्पन्न बताता है। हमारे भीतर अनन्त शक्ति का स्त्रोत है। आवश्यकता है स्वयं की शक्ति को पहचानने की, जगाने की और उसे सार्थक दिशा में नियोजित करने की। हमारा सौभाग्य है कि हम जैन तेरापंथ धर्म संघ के अनुयायी है। **आचार्य भिक्षु** हमारे आद्य प्रवर्तक है एवं संघ की आचार्य परम्परा में हमें तेजस्वी, ओजस्वी एवं वर्चस्वी आचार्यों की अनुशासना मिली, जिन्होंने हमें अंधेरी राह में प्रकाश बनकर विश्वास और आश्वस्ति दी। संघ के वर्तमान **अनुशास्ता आचार्यश्री महाश्रमण जी** भी हमें नैतिकता, सद्भावना एवं नशामुक्ति की त्रिपदी का संदेश दे रहे है। आवश्यकता है चातुर्मास काल में हम अपने भीतरी और बाहरी दोनों प्रकार के सौंदर्य को निखारे और इन्द्रिय संयम से चरित्र को उज्ज्वल बनाने का सलक्ष्य प्रयास करे।

बहिनों, स्वतंत्रता का महान पर्व 15 अगस्त भी हम सब को आजादी का संदेश देता है। हम अपनी आजादी को स्वतंत्र जीवन के साथ तोले, पर उच्छृंखलता से कोसों दूर रहे। अहंकार और आडम्बर से बचें। स्वतंत्रता के साथ-साथ इस माह भाई-बहिन के आत्मीय स्नेह का एक पवित्र पर्व 'रक्षा बंधन' भी है। राखी का यह पर्व जहाँ हमें सुरक्षा कवच प्रदान करता है वहीं सुरक्षा और संरक्षण का दायित्व बोध भी कराता है।

बहिनों, हम अपने जीवन को अधिकार एवं दायित्व की कसौटी के संतुलन के साथ विकास पथ का राही बनाये। हमारा उन्नत जीवन और चरित्र औरों के लिए प्रेरणा बने। उत्सव और उमंग के बसंत संगम पर आप सब के प्रति हार्दिक मंगल कामनाओं के साथ-

शुभाकांक्षी
Sarita Daga
सरिता डागा

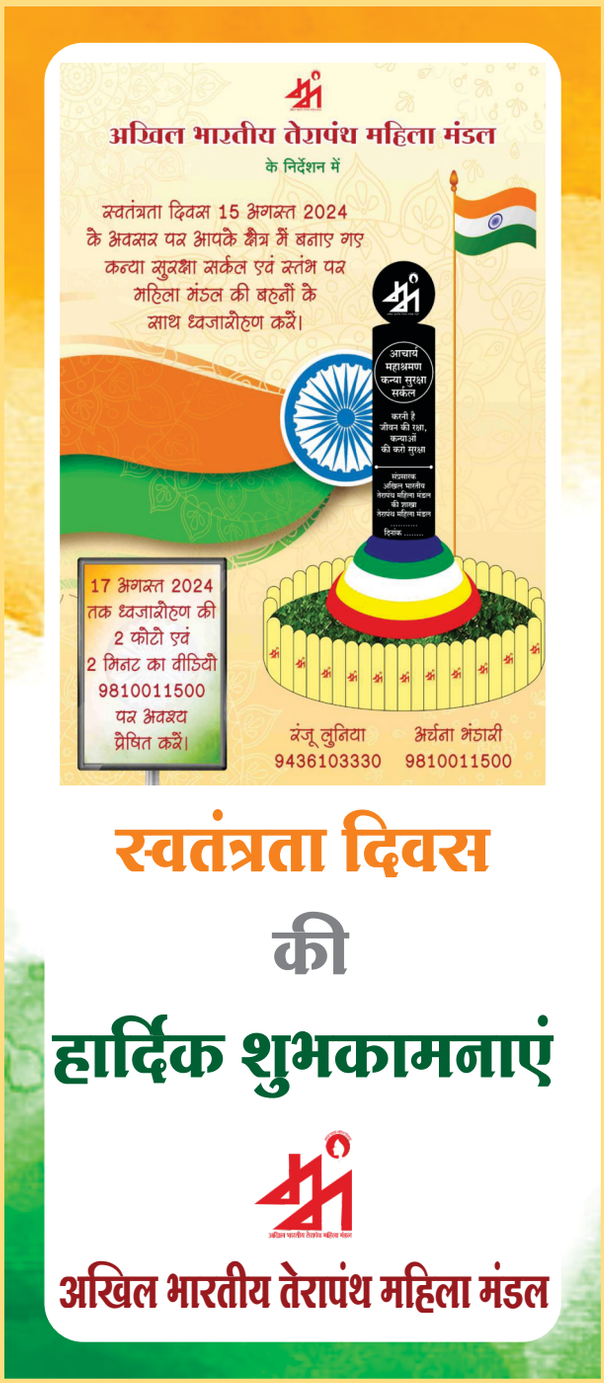

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
अगस्त माह- करणीय कार्य
चित्त समाधि शिविर

आज की इस भागदौड़ व व्यस्तता भरी जिंदगी में व्यक्ति हमेशा सुख, शांति व आनन्द की तलाश में रहता है जबकि यह आनंद और आत्मिक सुख मनुष्य के अन्तर्मन में ही है। अन्तर्मन से तारतम्य स्थापित करने का एकमात्र माध्यम है- चित्त की निर्मलता। चित्त की निर्मलता तभी संभव है जब चित्त में समाधि हो।

* सभी शाखा मंडल अगस्त माह में चित्त समाधि शिविर का आयोजन करें।
* शिविर का आयोजन यथासंभव चारित्रात्माओं के सान्निध्य में करें।

चित्त समाधि शिविर में निम्न विषयों का समायोजन अवश्य करें :

1. **मंगल भावना व जप का प्रयोग :** चित्त समाधि शिविर की शुरुआत जप व अर्हम् ध्वनि के साथ हो तथा मंगल भावना का संगान किया जाये। हर मंगल भावना की व्याख्या की जाए। तन्मयता के साथ चित्त समाधि का प्रयास किया जाए।
2. **योग व प्रेक्षाध्यान का अभ्यास :** शारीरिक व मानसिक व्याधि के निवारण हेतु जो आसन व प्राणायाम आवश्यक हो, उनके बारे में बताया जाए। आपसी रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए प्रेक्षाध्यान का प्रयोग करवाया जाए। क्षमा व मैत्री की अनुप्रेक्षा करवाई जाए। संभव हो तो योग प्रशिक्षक बुलाया जाए। सभी रोगों के बचाव से संबंधित प्रशिक्षण दिया जाए।
3. **जीवन का उत्तरार्द्ध : बने खुशहाल :** इसके लिए प्रयोगात्मक प्रशिक्षण हो। हम कहाँ सही है, कहाँ गलत है, इसका परीक्षण हो। जीवन शैली प्रभावी कैसे बने, इसका प्रशिक्षण हो। हंसना, गाना भी जिंदगी का अंग है। इसकी महत्ता समझे। पारिवारिक रिश्तों में हमारी भूमिका क्या हो, जिससे घर का वातावरण खुशहाल बने और हमें चित्त समाधि मिले।
4. **पाएं आत्मा का आनंद :** हमारा लक्ष्य बने कि आत्मा के आनंद की ओर प्रस्थान करें। किस तरह बाहर जीते हुए हम भीतर की साधना कर सके। व्रत चेतना से अपना क्षण-क्षण मूल्यवान बना सके। इन सब बातों से संबंधित प्रयोगात्मक प्रशिक्षण हो। इस शिविर का उद्देश्य है कि हमारे अभिभावकों में चित्त समाधि कैसे आए।

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

अभातेममं का पचरंगी आह्वान :
सामायिक-सम्यक्त्व का आधार
समत्व, साधना समभाव, स्व-स्वभाव

सामायिक समता की साधना, आत्मा में रमण करना, समतापूर्वक त्याग करना ही सामायिक है। छोटे-छोटे तप से होती है कर्मों की निर्जरा। त्यागमयी पचरंगी में आप अगस्त एवं सितम्बर माह में सामायिक पचरंगी साधना करें।

इस प्रकार अन्य और त्यागमय पचरंगी में आप द्रव्य पचरंगी, मौन एवं तिविहार त्याग कर अपनी कर्म निर्जरा करें। ज्यादा से ज्यादा भाई-बहिनों को इस साधना से जोड़ने का प्रयास करें। इसी क्रम में एक अकेला साधक भी सामायिक पचरंगी कर सकता है।

पचरंगी तप की रूपरेखा

सामायिक	5 व्यक्ति	–	5 सामायिक		
	5 व्यक्ति	–	4 सामायिक		
	5 व्यक्ति	–	3 सामायिक	=	1 सामायिक पचरंगी
	5 व्यक्ति	–	2 सामायिक		
	5 व्यक्ति	–	1 सामायिक		

इसी प्रकार अन्य पचरंगी की गणना होगी।

संयोजिका – श्रीमती सुचित्रा छाजेड़- 9864321211.

कन्या मंडल आंचलिक कार्यशाला
'ज्योतिर्मय'
Enlighten yourself – Enlighten the world

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में कन्याओं के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से देशभर में आंचलिक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। लाडनूं कार्यशाला के सफल समायोजन के बाद विजयनगर (बंगलूरू) (3–4 अगस्त, 2024) एवं फारबिसगंज (10–11 अगस्त, 2024) की आंचलिक कार्यशालाओं के साथ–साथ महत्वपूर्ण पड़ाव सूरत कन्या अधिवेशन। सूरत का अधिवेशन परमपूज्य आचार्य प्रवर के पावन सान्निध्य में आचार्यश्री महाश्रमण प्रवास स्थल, संयम विहार, सूरत में होगा।

1. दिनांक : 27–28 अगस्त, 2024

   सान्निध्य : परमपूज्य आचार्य प्रवर

   संभागी क्षेत्र : महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, उड़ीसा, मध्यप्रदेश, मेवाड़ एवं गुजरात

* कार्यशाला में बड़े क्षेत्रों से 7 एवं छोटे क्षेत्रों से 4 कन्याएं सहभागी बनें।

विशेष ध्यातव्य :

* कन्या मंडल का मान्यता पत्र साथ में लेकर आएं। पंजीकरण प्रातः 6.00 बजे से प्रारम्भ हो जाएगा।
* केन्द्र के निमंत्रण पर क्षेत्र की उपस्थिति वार्षिक मूल्यांकन का आधार बनेगी।
* कार्यशाला शुल्क 300/– रुपए प्रत्येक प्रतिनिधि रखा गया है।
* सूरत कार्यशाला को छोड़कर अन्य स्थानों पर ज्यादा से ज्यादा संख्या में कन्याएं भाग लें।
* प्रत्येक क्षेत्र में कन्या मंडल प्रभारी भी अनिवार्य रूप से उपस्थित रहे।
* सभी कन्याएं एवं प्रभारी बहिनें गणवेश तथा सामायिक उपकरण साथ में अवश्य लाये।
* आपका पहनावा गरिमापूर्ण हो, इसका ख्याल रखें।
* प्रत्येक सत्र में समय पर पहुँचे।

विशेष जानकारी हेतु सम्पर्क सूत्र :

श्रेया बाफना– 9376667761, राखी बैद– 9824299955.

स्नेहिल कन्याओं,

सादर जय जिनेन्द्र!

ज्योतिर्मय– **Enlighten yourself, Enlighten the world** की यात्रा का आगाज हुआ तेरापंथ की राजधानी लाडनूं , पूज्य गणाधिपति गुरुदेव तुलसी की पुण्य धरा से। इस यात्रा का आगामी पड़ाव है– विजयनगर, बैंगलूरू। वहाँ से और अधिक ऊर्जावान बनकर इस यात्रा का तृतीय पड़ाव बनेगा एक समर्पित क्षेत्र– फारबिसगंज (बिहार)।

तीन अनोखे पड़ाव के अभूतपूर्व अनुभवों को स्मृति पटल पर समेट कर इस यात्रा का अंतिम एवं महनीय पड़ाव होगा। 20वां राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन होगा। 27 एवं 28 अगस्त, 2024– परम पूज्य गुरुदेव आचार्यश्री महाश्रमण जी के पावन सान्निध्य में, डायमंड सिटी, सूरत।

निष्पत्ति पूर्ण कार्यशालाओं के समायोजन एवं कार्यशालाओं के मंगल शुभारंभ के लिए सभी को बहुत–बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। कन्याओं से आह्वान है कि वे अपने संबंधित क्षेत्र की कार्यशाला में अच्छी संख्या में अवश्य सहभागी बनकर अपने ज्योतिर्मय जीवन का आगाज करें।

आपकी दीदी,
अदिति सेखानी

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

श्रृंखलाबद्ध पौषध

आचार्य भिक्षु जन्मोत्सव से चरमोत्सव 2025 तक (आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी से भाद्रपद शुक्ला त्रयोदशी तक)

श्रृंखलाबद्ध पौषध का शुभारंभ 19 जुलाई, 2024, शुक्रवार से हो गया है

कर्म निर्जरा का सुअवसर है आया, प्रारंभ हो रहा- चातुर्मास काल।
आद्यप्रवर्तक श्री भिक्षु को अर्पण करें, श्रद्धा सुमन- पौषध व्रत से इस साल॥

* धर्मध्यान की आराधना का विशेष समय है- चतुर्मास-काल। वैसे चतुर्मास का प्रारंभ श्रावण कृष्णा एकम से होता है मगर तेरापंथ धर्मसंघ में आचार्य भिक्षु के जन्मदिवस तथा बोधि दिवस आषाढ़ शुक्ला त्रयोदशी के दिन से ही चतुर्मास की हलचल प्रारंभ हो जाती है। इस दौरान तप, जप, सामायिक, पौषध, व्याख्यान-श्रवण आदि माध्यमों से श्रावक-श्राविकाएं विशेष कर्म-निर्जरा का अभ्यास करते है।
* इस वर्ष अभातेमम अपने परम आराध्य तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य महाश्रमण जी के श्री चरणों में तप व संयम से सिंचित 'श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत' का गुलदस्ता समर्पित कर रहा है।
* शाखा-मंडलों से अनुरोध है कि तप की इस श्रृंखला में अपने क्षेत्र का नाम संयोजिका के पास शीघ्रातिशीघ्र दर्ज करवाकर इस महनीय उपक्रम में सहभागी बनें। कर्म निर्जरा और गुरु-भक्ति के इस अनूठे संगम में सभी शाखा मंडल अपनी क्षमता के अनुसार 'एक दिन-एक क्षेत्र पौषध व्रत' की आराधना करें।

पौषध की परिभाषा- गृहस्थ की चौथी प्रतिमा, श्रावक का ग्यारहवां व्रत, श्रावक का तीसरा शिक्षाव्रत- पौषधोपवास व्रत

* **पौषध का अर्थ है-** अपने निकट रहना। पर-स्वरूप से हटकर स्व-स्वरूप में स्थित होना। धर्म को पुष्ट करने वाले व्रत-विशेष का नाम पौषध है। इसमें उपवास के साथ शारीरिक साज-सज्जा को छोड़कर एक दिन-रात तक सावद्य (पापकारी) प्रवृत्ति का त्याग किया जाता है।
* एक दिन एक रात के लिए चारों प्रकार के (अशन, पानी, मेवा तथा ताम्बूल) आहार का त्याग करना चौविहार उपवास तथा पानी के सिवाय तीन आहार का त्याग करना तिविहार उपवास है।
* उपवास करके पौषध के नियम का पालन करना पौषधोपवास-व्रत कहलाता है।

पौषध के प्रकार

* यदि पौषध चौविहार उपवास के साथ किया जाए तो यह श्रावक के बारह व्रतों में से 'ग्यारहवां' व्रत कहलाता है, वहीं तिविहार उपवास के साथ किए जाने पर इसकी गणना 'दसवें' व्रत में होती है।

पौषध के तीन प्रकार

आठ प्रहरी- उपवास वाले दिन सूर्योदय से पूर्व पौषध प्रारंभ कर अगले दिन सूर्योदय के पश्चात इसकी छह प्रहरी चार प्रहरी आलोचना (समापन) करें।

छह प्रहरी- उपवास वाले दिन दूसरी प्रहर के समापन से पूर्व पौषध प्रारंभ कर अगले दिन सूर्योदय के पश्चात इसकी आलोचना (समापन) करें।

चार प्रहरी- उपवास वाले दिन सायंकाल सूर्यास्त से पूर्व पौषध प्रारंभ कर अगले दिन सूर्योदय के पश्चात इसकी आलोचना (समापन) करें।

पौषध पाठ (प्राकृत)-

एक्कारसमं पोसहोववासव्वयं, असण-पाण-खाइम-साइम-पच्चक्खाणं, अबंभ-पच्चक्खाणं, उम्मुक्कमणि-सुवण्णाइ-पच्चक्खाणं, माला-वण्णग-विलेवणाइ-पच्चक्खाणं, सत्थमूसलाइ-सावज्जजोग-पच्चक्खाणं, जाव अहोरत्तं पज्जुवासामि, दुविहं तिविहेणं न करेमि, न कारवेमि, मणसा, वयसा, कायसा तस्स भंते ! पडिक्कमामि निंदामि गरिहामि अप्पाणं वोसिरामि।

पौषध पाठ (हिन्दी)

* **ग्यारहवां पौषध व्रत**

1. अशन-पान-खादिम-स्वादिम का प्रत्याख्यान।
2. अब्रह्मचर्य का प्रत्याख्यान।
3. मणि, सुवर्ण का प्रत्याख्यान।
4. माला, रंग-विलेपन का प्रत्याख्यान।
5. शस्त्र, मूसल आदि सावद्य व्यापार का प्रत्याख्यान।

दिन-रात पर्यन्त इस पौषध व्रत का मैं पालन करूंगा।
दो करण तीन योग से, सावद्य व्यापार न करूंगा/करूंगी, न कराऊंगा/कराऊंगी। मन से, वचन से, काया से।
नोट- पानी पीकर पौषध व्रत किया जाए तो 'एक्कारसमं पोसहोववासव्वयं' के स्थान पर 'दसमं देसावगासियव्वयं' बोला जाता है।

पौषध-आलोचना पाठ

* ग्यारहवें पोषध व्रत में जो कोई अतिचार (दोष) लगा हो तो मैं उसकी आलोचना करता हूँ/करती हूँ।

1. शय्या, संथारे (सोने-बैठने के स्थान और बिस्तर) का प्रतिलेखन नहीं किया हो अथवा असावधानी से किया हो।
2. शय्या, संथारे का प्रमार्जन नहीं किया हो अथवा असावधानी से किया हो।
3. उच्चार, प्रस्रवण भूमि (मल, मूत्र, खंखार करने के स्थान) का प्रतिलेखन नहीं किया हो अथवा असावधानी से किया हो।
4. उच्चार, प्रस्रवण भूमि का प्रमार्जन नहीं किया हो अथवा असावधानी से किया हो।
5. पौषध व्रत का सम्यक् प्रकार से पालन नहीं किया हो।

धर्म जागरिका से अपनी आत्मा को भावित न किया हो। तस्स मिच्छामि दुक्कडं- इनसे लगे मेरे पाप मिथ्या हों, निष्फल हों।

पौषध के दोष

* पौषध में अव्रती (गृहस्थ) को सत्कार, सम्मान देना।
* पौषध में शरीर तथा वस्त्रादि उपकरणों को संवारना।
* पौषध में अपने तथा दूसरे के शरीर का मैल उतारना।
* पौषध में अधिक निद्रा लेना।
* पौषध में बिना प्रतिलेखन किए हाथ-पैर फैलाना तथा खाज-खुजली करना।
* पौषध में राग-द्वेषात्मक बातें करना।
* पौषध में दूसरों की आलोचना करना।
* पौषध में व्यापार सम्बन्धी बातें करना।
* पौषध में विकार दृष्टि से अपने तथा औरों के शरीर को देखना।
* पौषध में खुले मुंह बोलना।
* पौषध में हास्य-मजाक तथा शोक-संताप करना।
* पौषध के पहले दिन सरस भोजन करना तथा ठूंस-ठूंस कर खाना।
* पौषध के लेने तथा पारणे में असावधानी बरतना।

श्रृंखलाबद्ध पौषध व्रत में तिथि आरक्षण हेतु **Google Form link :**
https://forms.gle/R7C4NvSVARGA2XebA
अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें: संयोजिका- श्रीमती नीतू बैद, 9924180371

कैंसर जागरूकता अभियान करणीय कार्य

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का एक वर्षीय **'कैंसर जागरूकता अभियान'** समय की आवश्यकता के अनुसार समर्पित भावों से सभी शाखा मंडलों के साथ देश भर में अपना परचम फहरा रहा है। इस अभियान के माध्यम से महिला वर्ग एवं कन्याओं को भी कैंसर जैसी बीमारी के लिए ख्यातिलब्ध डॉक्टर्स द्वारा प्रशिक्षण से जागरूक करने का प्रयास जारी है।

शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ स्वास्थ्य के मुख्य चार बिंदुओं (शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, सामाजिक) पर भी शाखा मंडलों ने पिछले माह बहुत ही प्रभावशाली कार्यशालाओं का आयोजन किया, जिसमें प्रेक्षा ध्यान, योगा आदि के महत्वों को समझाकर इसे अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा भी दी गई।

आइये- इस माह भी कुछ नया करते हैं-

इस माह के करणीय कार्य में सभी शाखा मंडलों को एक प्रतियोगिता आयोजित करनी है- पहली प्रतियोगिता है- 1. **Poster+Slogan** प्रतियोगिता, जिसका विषय है- **'कैंसर से बचने के चार मुख्य बिंदु'- Physical, Mental, Social and Spiritual Health** पर आधारित आपको एक पोस्टर बनाना है और उस पोस्टर पर कैंसर से जुड़ा एक उत्साहपूर्ण **slogan** देना है। जैसे- 'मुश्किल है पर नामुमकिन नहीं'।

प्रतियोगिता नियमावली-

1. तेरापंथ महिला मंडल का एवं कैंसर जागरूकता अभियान का **logo** होना अनिवार्य है।
2. पोस्टर प्रतियोगिता में पेज का साइज **A3** हो और ध्यान रहे स्लोगन ज्यादा बड़ा ना हो।
3. प्रतियोगिता के विषय को अवश्य ध्यान में रखें एवं पोस्टर पर क्षेत्र व डिजाइनर का नाम अवश्य लिखें।
4. एक क्षेत्र से एक ही प्रविष्ठि मान्य की जाएगी। पोस्टर जमा करने की अंतिम तारीख 10 सितम्बर, 2024 है।
5. शाखा मंडलों द्वारा भेजी गई प्रविष्टियों में से **Top 7** का चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा।

अधिक जानकारी हेतु अभियान की संयोजिका से **9500464089** सम्पर्क कर सकते हैं। प्रविष्ठि भेजने का पता- **Anita Bardia (Jain),** Bardia Brindavan, 27/1 Kre Layout, Thiru ve ka Nagar, College Road, 8th Street, Tirupur-641602 (Tamilnadu).

आध्यात्मिक प्रवृत्तियां

श्रृंखलाबद्ध पौषध करने वाली शाखा मंडलों की सूची:

दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध	दिनांक	क्षेत्र	कुल पौषध
19 जुलाई, 2024	अहमदाबाद	230	25 जुलाई, 2024	विजयनगर (बंगलूरू)	15
19 जुलाई, 2024	फारबिसगंज	35	26 जुलाई, 2024	हासन	4
20 जुलाई, 2024	रायपुर	25	27 जुलाई, 2024	सिरसा	2
20 जुलाई, 2024	हैदराबाद	52	28 जुलाई, 2024	पटना	7
21 जुलाई, 2024	बड़ौदा	37	28 जुलाई, 2024	बालोतरा	151
22 जुलाई, 2024	डीसा	15	29 जुलाई, 2024	जावद	4
23 जुलाई, 2024	आमेट	18	30 जुलाई, 2024	पाली	61
24 जुलाई, 2024	कोकराझार	6	31 जुलाई, 2024	भीलवाड़ा	5

पौषध करने वाली सभी बहिनों के प्रति हार्दिक अनुमोदना-साधुवाद।
श्रृंखलाबद्ध क्रम में सहभागिता दर्ज करवाने वाली शाखा मंडलों के प्रति बहुत-बहुत आभार।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का राष्ट्रीय अधिवेशन
20, 21, 22 सितम्बर, 2024 सूरत (गुजरात)

युग प्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का राष्ट्रीय महिला अधिवेशन आगामी 20, 21, 22 सितम्बर, 2024 को सूरत (गुजरात) में समायोजित हो रहा है। इस राष्ट्रीय अधिवेशन में यथासंभव शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकारी की सहभागिता रहे। यदि किसी कारणवश पदाधिकारी नहीं आ सकें तो कार्यसमिति सदस्यों की सहभागिता का लक्ष्य रखें।

शाखा मंडल के ध्यानार्थ :

* छोटे शाखा मंडल से अधिकतम 3 सदस्य और बड़े शाखा मंडल से अधिकतम 5 सदस्य संभागी बन सकेंगे।
* शाखा मंडल अध्यक्ष, मंत्री एवं पदाधिकरियों को ही सम्मिलित होने हेतु प्राथमिकता दें।
* पंजीकरण शुल्क मात्र रु. 1100/- (ग्यारह सौ रुपए मात्र) प्रति संभागी है।
* संभागी 20 सितम्बर, 2024 को प्रातः 10 बजे तक पहुँचने का लक्ष्य रखें।
* पंजीकरण प्रातः 8 बजे से मध्याह्न 12 बजे तक रहेगा।
* संभागी अपने क्षेत्र का मान्यता पत्र अवश्य साथ लेकर पधारें।
* 22 सितम्बर, 2024 को मध्याह्न भोजन पश्चात् संभागी प्रस्थान कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क सूत्र :

श्रीमती नीतू ओस्तवाल- 9257011205, निधि सेखानी- 9879633133

सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार 2024

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रति वर्ष वार्षिक महिला अधिवेशन में एक महिला और एक कन्या को सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। यह पुरस्कार तेरापंथ धर्मसंघ की प्रतिभा सम्पन्न एक महिला एवं एक कन्या को प्रदान किया जाता है। इस पुरस्कार के अंतर्गत रु. 51,000 की राशि तथा एक प्रशस्ति पत्र सम्मानित व्यक्ति को प्रदान किया जाता है। समस्त शाखा मंडलों से निवेदन है कि अपने क्षेत्र से इस पुरस्कार हेतु प्रविष्टियाँ भेजें। इसके लिए समस्त शाखाएं अपनी जागरूकता का परिचय दे। अंतिम निर्णय चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

पुरस्कार हेतु अर्हताएं :

* कला, शिक्षा, विज्ञान, सेवा, साहित्य आदि के क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाली महिला/कन्या हो।
* चरित्रनिष्ठ एवं संघनिष्ठ मनोवृत्ति हो।

पुरस्कार प्रविष्टि हेतु शाखाओं के ध्यानार्थ :

* प्रत्येक शाखा एक महिला और एक कन्या का नाम ही इस पुरस्कार हेतु प्रस्तावित कर सकती है।
* आपकी शाखा द्वारा प्रस्तावित महिला एवं कन्या के प्रस्ताव को उन व्यक्तियों की फोटो सहित सम्पूर्ण परिचय (बायोडाटा) शाखा मंडल के अध्यक्ष/मंत्री अपने शाखा के **letterhead** पर लिखित में भेजें। इस प्रस्ताव में अध्यक्ष एवं मंत्री सहित अन्य तीन पदाधिकारियों के हस्ताक्षर भी अनिवार्य रूप से होने चाहिए।
* प्रविष्टि भेजने की अंतिम तिथि 15 अगस्त, 2024 रहेगी। बाद में प्राप्त प्रविष्टियाँ स्वीकृत नहीं की जाएगी।
* प्रविष्टियाँ जयपुर स्थित अध्यक्षीय कार्यालय में ही भेजें।
* शाखा उन्हीं महिला/कन्या की प्रविष्टियाँ भेजें जो 21/22 सितम्बर, 2024 को सूरत में आचार्यश्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में उपस्थित होकर यह पुरस्कार स्वीकार कर सके।

कन्या मंडल का 'भिक्षु अष्टकम् कंठस्थ' कार्यक्रम

जुलाई माह करणीय कार्य - कंठस्थ करें भिक्षु अष्टकम्

जुलाई माह करणीय कार्य के अंतर्गत 70 क्षेत्रों की 580 से अधिक कन्याओं ने भिक्षु अष्टकम् कंठस्थ किया। आचार्य भिक्षु जन्म एवं बौद्धि दिवस, चातुर्मासिक पक्खी, तेरापंथ स्थापना दिवस पर 440 से अधिक कन्याओं ने सामूहिक रचनात्मक संगान किया। कार्यक्रम की संयोजिका सुश्री आयुषी कोठारी का श्रम सराहनीय रहा।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में

तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं द्वारा आयोजित

आंचलिक कन्या कार्यशाला 'ज्योतिर्मय' का आगाज

26-27 जुलाई, 2024, लाडनूं।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ कन्या मंडल द्वारा **'ज्योतिर्मय Enlighten yourself, Enlighten the World'** राजस्थान (मारवाड़, थली), दिल्ली, उत्तरप्रदेश, पंजाब एवं हरियाणा स्तरीय आंचलिक कन्या कार्यशाला का शुभ शंखनाद 35 क्षेत्र एवं 250 से अधिक कन्याओं की सहभागिता के साथ तेरापंथ की राजधानी लाडनूं में हुआ, जिसका शुभारम्भ तुलसी स्मारक पर जप अनुष्ठान कर ऊर्जा प्राप्त करने के पश्चात रैली के साथ मुनिश्री रणजीत कुमारजी व मुनिश्री जयकुमार जी से मंगल पाठ श्रवण कर तत्पश्चात शासन गौरव साध्वी कल्पलताजी के दर्शन कर पवित्र ऊर्जा के सम्प्रेषण से हुआ।

प्रथम सत्र **'अरुणोदय' Welcome to the new Era** में विधिवत आगाज शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी के सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा एवं महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, प्रधान ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी, राष्ट्रीय कन्या प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी, सह प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा, अभातेममं संरक्षिका श्रीमती सायर बैंगानी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, उपाध्यक्ष श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, सहमंत्री श्रीमती वंदना बरड़िया, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती मंजू भूतोड़िया, श्रीमती अर्चना भंडारी, श्रीमती कुसुम बैंगानी, श्रीमती प्रीति घोसल, श्रीमती चाँद छाजेड़, श्रीमती अलका बैद, श्रीमती नीरू पुगलिया, श्रीमती ममता रांका, श्रीमती नीतू गुजरानी, श्रीमती वर्षा लुनिया की गरिमामय उपस्थिति के साथ हुआ। तेममं, लाडनूं अध्यक्ष श्रीमती सुमन गोलछा, मंत्री श्रीमती राजश्री कोचर एवं लाडनूं महिला मंडल भी उपस्थित थी।

कन्या मंडल जयपुर सी-स्कीम द्वारा प्रभावशाली मंगलाचरण से मंगल ध्वनि का सम्प्रेषण किया गया। प्रधान ट्रस्टी श्रीमती पुष्पा बैंगानी ने परम पूज्य आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन संदेश का वाचन किया, जिससे पूरे सदन में ऊर्जा का संचार हुआ। अभातेममं की संरक्षिका श्रीमती सायर बैंगानी ने साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन किया। तेममं लाडनू की अध्यक्ष श्रीमती सुमन गोलछा ने स्वागत वक्तव्य दिया एवं कन्या मंडल लाडनूं ने स्वागत गीत की प्रस्तुति दी।

इस अवसर पर शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि बाहर कुछ खोजना नहीं है, हम स्वयं सोचे कि हम क्या है और क्या बनना

चाहते हैं। कन्याएं शक्ति सम्पन्न है, क्षमतावान है, वह चाहे तो सर्वोत्कृष्ट सफलता को प्राप्त कर सकती हैं। कन्याएं चिंतन करें कि उन्हें मूल्यवान जीवन जीना है या मूल्यवान वस्तुओं के पीछे भागना है। मूल्यों से अनुप्राणित जीवन ही कीमती होता है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि कन्याएं उम्र के जिस दौर से गुजर रही है वो बहुत नाजुक है। मन पेंडुलम की तरह इधर-उधर हो जाता है, यह जीवन की व्यावहारिक रीति है। हमें अपने संस्कारों को सुदृढ़ रखकर आगे बढ़ना है। कन्याएं अपनी आभा, अपनी योग्यता, अपने हुनर से ज्योतिर्मय बनें।

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा, लाडनूं अध्यक्ष श्रीमती रेणु कोचर ने अपने वक्तव्य में कहा कि शिक्षा अच्छी है लेकिन कुछ पीछे छूट रहा है, हमें अपने संस्कारों को नहीं भूलना चाहिए। श्रीमती सुमन शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी ने कहा कि हम किसी भी प्रोफेशनल को चुने, उसमें हमारी रुचि होनी चाहिए ताकि हमारा विकास हो, नारी शक्तिशाली है वह नया जीवन धरती पर लाती है, हमें शक्ति के साथ संस्कारों को नहीं भूलना है।

समणी नियोजिका श्री अमल प्रज्ञाजी ने कहानी के माध्यम से प्रेरणा देते हुए कहा कि जीवन अनमोल है और इसमें हमने धर्म नहीं किया तो इस जीवन का कोई मूल्य नहीं। धर्म करने वाला व्यक्ति ही जीवन को ज्योतिर्मय बना सकता है। राष्ट्रीय कन्या प्रभारी श्रीमती अदिति सेखानी ने कहा कि '3S'- संस्कार, शक्ति, सुरक्षा से तीन अमोघ आयामों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय कन्या मंडलों ने कार्य किए और अपने जोशीले वक्तव्य द्वारा कन्याओं को ज्योतिर्मय बनते हुए कार्य करने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में कहा कि स्वप्न तक पहुँचने के लिए कुछ हट कर काम करना पड़ता है, तभी हम कुछ **achive** कर सकते हैं। सभी कन्याओं में एक **uniqueness** है, उसे पहचानना है और उसके आधार पर आगे बढ़ना है। राष्ट्रीय कन्या मंडल सह प्रभारी श्रीमती सोनम बागरेचा ने कन्याओं की कर्मठता को बताते हुए कहा कि यह कार्यशाला **for the girls, by the girls, to the girls** की **theme** पर है, इस कार्यशाला का सम्पूर्ण कार्य कन्याओं ने किया है। सुश्री विजयश्री शर्मा , डॉ. शांता जी जैन एवं श्री राजेन्द्र खटेड़ ने भी कन्याओं को आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। परिचय एवं प्रस्तुति कन्या शक्ति के अंतर्गत उत्तर दिल्ली, पूर्व दिल्ली, जयपुर शहर, बीदासर, गंगाशहर, बालोतरा एवं लाडनूं कन्या मंडल ने प्रस्तुति दी।

कार्यशाला का द्वितीय सत्र था 'तेजस्विता **way to holistic life**'. इस सत्र को खुले मंच के रूप में आयोजित किया गया जिसमें पाँच ग्रुप में कन्याओं को विभाजित किया। शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी के निर्देशन में साध्वीश्री तेजस्वी प्रभाजी, साध्वीश्री रोहिणी प्रभाजी, समणी मंजू प्रभाजी, समणी सुप्रज्ञाजी, समणी सत्य प्रभाजी, समणी रोहिणी प्रभाजी, समणी स्वर्ण प्रभाजी, समणी जिज्ञासा प्रभाजी तथा अभातेमम के सम्मानित सदस्यों द्वारा विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से कन्याओं में सामाजिक आध्यात्मिक, पारिवारिक आदि विषयों के प्रति भावनात्मक लगाव हो, ऐसा प्रयास किया गया। इस सत्र का मुख्य उद्देश्य कन्याओं के चहुंमुखी विकास एवं व्यक्तित्व विकास से संबंधित सूत्रों से अवगत करवाना था।

सायंकालीन सत्र आलोक **Revive the roofs, How to be spiritual** में कन्या मंडल, नोखा के मंगलाचरण के बाद मुमुक्षु भाविका ने पारमार्थिक शिक्षण संस्था के महत्व व उसकी स्थापना के बारे में वीडियो के माध्यम से संस्था का इतिहास, दिनचर्या, संस्कार निर्माण, प्रवेश योग्यता, सुविधाएं आदि के बारे में बताया। पारमार्थिक शिक्षण संस्था की मुमुक्षु बहिनों ऋचा, भूमिका, भाविका, वीनू, अंजली, सेफाली भावना कालू, भावना पालघर द्वारा एक टॉक शो 'मुमुक्षु की कहानी, उन्हीं की जुबानी' के द्वारा

मुमुक्षु बहिनों का पहले का जीवन व उनकी कहानी बहुत ही सुंदर दिल को छू लेने वाले अंदाज में प्रस्तुत की। बताया गया कैसे? **Having the right questions can lead us to right answer.** आज के **youth** की **constent dilemma of pession vs. profession** जिसको हम **solve** कर सकते हैं, आत्मा की **counselling** करके। जरूरत है तो बस थोड़ी सी हिम्मत की। समणी कुसुमप्रज्ञा जी में एक छोटे से प्रयोग द्वारा समझाया कि धर्म क्या है। समणी जी ने कन्याओं को चार **S** को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी- संकल्प, संस्कार, सहिष्णुता और संयम। शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी अपने प्रेरक वक्तव्य में कन्याओं से कहा कि भीतर की असीम शक्ति को जगाओ जिससे छोटी-छोटी बातें जो जख्म दे देती है वो मुमुक्षु जीवन में शांति व सुख का अनुभव करवाती है। इस मार्ग पर आगे बढ़कर हम आनन्द की अनुभूति कर सकते हैं। **The voice of KM** यह सत्र जिज्ञासा समाधान के रूप में रहा, जिसके अंतर्गत कन्याओं की जिज्ञासाओं का समाधान राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रधान ट्रस्टी एवं महामंत्री ने किया।

द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र आरोग्य- **Mindful serenity** में नंदिनी कासलीवाल ने प्रशिक्षण प्रदान किया। अंतिम सत्र अभ्युदय- **Role Balance** कन्या मंडल बीदासर के मंगलाचरण से प्रारंभ हुए इस सत्र में शासन गौरव साध्वीश्री कल्पलताजी ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि कन्याएं परिवार का भी पाठ्यक्रम बनाये, कैसे जीना, क्या करना, क्या नहीं करना, किस सदस्य को कितने समय की अपेक्षा है, क्या जरूरी है आदि। ऐसा करने से जीवन अच्छा बन जाएगा। सत्र को सम्बोधित करते हुए **Soft skill Attiquate** प्रशिक्षण लाइफ कोच ट्रेनर शशि जैन दूगड़ ने कन्याओं को **Personal branding** के रूप में बताया। **communication,** बॉडी लैंग्वेज, वेशभूषा आदि बिंदुओं द्वारा कन्याओं के व्यक्तित्व विकास हेतु अनेक टिप्स दिए।

अभातेममं कार्य समिति सदस्य श्रीमती सुनीता जैन ने अपने वक्तव्य में कन्याओं के विकास व संस्कार से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रशिक्षण दिया। मुख्य अतिथि श्रीमान बालमुकुंद असावा, जिला कलेक्टर, डीडवाना ने अपने विशिष्ट वक्तव्य में कन्याओं से कहा- तुलना करना अच्छा है लेकिन तुलना अपने से करें, किसी दूसरे से नहीं। कार्यशाला में अभातेममं प्रतिनिधियों के साथ-साथ श्रीमती तारा सुराणा, संरक्षिका एवं ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद की भी इस सत्र में गरिमामयी उपस्थिति रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने तेममं, लाडनूं के श्रम एवं सफल आयोजन हेतु आभार व्यक्त किया तथा अभातेममं की ओर से प्रतीक चिह्न भेंट कर तेममं, लाडनूं को सम्मानित किया। कार्यशाला में संभागी सभी आंचलिक कन्या मंडल व कन्याओं के वर्ष भर के कृत कार्यों का मूल्यांकन कर सम्मानित किया गया।

विभिन्न सत्रों का कुशल संचालन सुश्री आयुषी कोठारी- चूरू, सुश्री खुशबू पारख- पचपदरा, सुश्री दिव्या सेठिया- उदासर, सुश्री स्वीटी फूलफगर- लाडनूं, सुश्री पलक जैन- गंगाशहर, सुश्री चेल्सी- बीकानेर, कन्या मंडल लाडनूं, सुश्री अंतिमा वढ़ेरा- पाली, सुश्री आरती बोथरा- फरीदाबाद ने किया। विभिन्न सत्रों में मंगलाचरण कन्या मंडल, जयपुर सी-स्कीम, लुधियाना, सुजानगढ़, नोखा, बीदासर की कन्याओं ने किया एवं आभार ज्ञापन कन्या मंडल, सरदारपुरा, कन्या मंडल, जसोल, सुश्री प्रज्ञा जैन, बायतू, सुश्री अमीशा लोढ़ा, कालू, सुश्री स्वीटी फूलफगर, लाडनूं ने कुशलतापूर्वक किया। कार्यशाला के समायोजन में तेममं, लाडनूं की अध्यक्ष श्रीमती सुमन गोलछा, मंत्री श्रीमती राज कोचर, उपाध्यक्ष व कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती लीना दुगड़ एवं उनकी पूरी टीम के साथ कन्या मंडल, लाडनूं का उल्लेखनीय श्रम रहा। सबके प्रति हार्दिक आभार।

भावना सेवा

निर्जरा का विशिष्ट उपक्रम एवं पूज्यप्रवर की रास्ते की सेवा का उपक्रम 'भावना सेवा'

नारी जागरण और महिला सशक्तिकरण के अपने उद्देश्यों के साथ-साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल सेवा कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मंडल का यह सौभाग्य है कि उसे पूज्य प्रवर की रास्ते की सेवा में 'भावना सेवा' के माध्यम से जुड़ने का सुअवसर मिल रहा है। मंडल के इस उपक्रम में अनेक शाखा मंडलों की बहिनें सेवा भावना से अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज करवाती है। सौभाग्यशाली है वे सभी बहिनें, जिन्हें सेवा के इस उपक्रम में जुड़ने का अवसर मिला और सेवा दायित्व का बखूबी निर्वहन किया, बहुत-बहुत साधुवाद। साधुवाद-आभार श्राविका गौरव श्रीमती किरण बाई आंचलिया के प्रति, जिनकी सेवा-भावना, सुझबूझ, समन्वयभाव और कुशल मार्गदर्शन ने मंडल के इस उपक्रम को निश्चिंतता प्रदान की। व्यवस्था में अर्थ सहयोगी, सेवाभावी श्री मूलचंद जी, श्रीमती शशिकला नाहर जाणुंदा निवासी- बैंगलूरू प्रवासी के प्रति भी हार्दिक आभार। भावना सेवा में किचन वेन उपलब्ध करवाने हेतु श्री कन्हैया लाल जी, श्रीमती सुशीला देवी पटावरी, मोमासर-दिल्ली, श्री महेन्द्र कुमार जी नाहटा- दिल्ली के प्रति भी हार्दिक आभार। प्रत्यक्ष-परोक्ष सहभागी बने पूरे श्रावक-श्राविका समाज के प्रति धन्यवाद। भावना सेवा उपक्रम की संयोजिकाएं श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती शशिकला नाहर एवं श्रीमती ममता रांका के कुशल दायित्व निर्वहन हेतु हार्दिक आभार।

भावना सेवा में सेवा देने वाली मंडल एवं बहिनें-

26 अप्रैल से 02 मई, 2024 - तेममं, नोएडा :

श्रीमती सुमन सिपानी, श्रीमती कंचन सेठिया, श्रीमती प्रीति तातेड़, श्रीमती अनुराधा बैद, श्रीमती कुसुम जैन।

03 मई से 09 मई, 2024 - तेममं, कामरेज :

तेरापंथ महिला मंडल।

10 मई से 16 मई, 2024 - तेममं, हैदराबाद :

श्रीमती मंजू के. दुगड़, श्रीमती प्रेम बागरेचा, श्रीमती कविता आच्छा, श्रीमती सुशीला मोदी, श्रीमती अंजु गोलछा।

17 मई से 23 मई, 2024 - तेममं, जयपुर शहर :

श्रीमती निर्मला सुराणा, श्रीमती रेणु भांडावत, श्रीमती दिनेश बाला बरड़िया।

24 मई से 06 जून, 2024 - तेममं, औरंगाबाद :

सौ. सुनीता आर सेठिया, श्रीमती सुनंदा बाई कोचेटा, श्रीमती सुशीला धोका।

07 जून से 13 जून, 2024 - तेममं, कामरेज :

श्रीमती अरुणा देरासरिया, जिग्ना गन्ना।

14 जून से 20 जून, 2024 - तेममं, मनमाड़ :

श्रीमती रंजना प्रकाश लोढ़ा, श्रीमती सुनीता आनंद लोढ़ा,श्रीमती किरण गौतम लोढ़ा, श्रीमती भारती प्रकाश लोढ़ा, श्रीमती रूपाली कुणाल लोढ़ा, श्रीमती सुप्रिया वैभव लोढ़ा।

21 जून से 27 जून, 2024 - तेममं, उदयपुर :

श्रीमती प्रणिता तलेसरा, श्रीमती बसंत कंटालिया, श्रीमती मंजू चौधरी, श्रीमती कांता कोठारी, श्रीमती कांता सिंघवी।

28 जून से 04 जुलाई, 2024 - तेममं, सूरत :

श्रीमती सारिका चौपड़ा, श्रीमती विनीता संखलेचा, श्रीमती विमला मंडोत।

05 जुलाई से 11 जुलाई, 2024 - तेममं, जयपुर सी-स्कीम :

श्रीमती नीरू पुगलिया, श्रीमती प्रज्ञा सुराणा, श्रीमती रेखा बोकड़िया, श्रीमती आरती नाहटा।

मंडल की सेवा का यह उपक्रम परम पूज्य आचार्य प्रवर की कृपा दृष्टि से सुव्यवस्थित रूप से संचालित हुआ। हार्दिक कृतज्ञता। सेवा में सहयोगी सभी महानुभावों के प्रति हार्दिक आभार

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ स्तरीय मेरा परिवार - मेरी जिम्मेदारी कार्यशाला का आयोजन

5 जुलाई, 2024, रायपुर। अभातेममं के तत्वावधान में रायपुर महिला मंडल द्वारा छत्तीसगढ़ स्तरीय आंचलिक कार्यशाला 'मेरा परिवार, मेरी जिम्मेदारी' का आयोजन मुनिश्री सुधाकर कुमारजी एवं मुनिश्री नरेश कुमार जी के मंगल सान्निध्य में तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा की अध्यक्षता में वृन्दावन हॉल में 5 जुलाई, 2024 को किया गया। कार्यक्रम में महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, मुख्य अतिथि श्रीमती मिलेना कुर्रे (IPS) DIG/CID Police Head Quarters, New Raipur के साथ-साथ ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद, श्रीमती ज्योति बैद, संगठन मंत्री श्रीमती रमण पटावरी, प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, राकास श्रीमती संगीता बाफना की गरिमामय उपस्थिति रही। नमस्कार महामंत्र से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। स्थानीय मंडल की बहिनों द्वारा स्वागत गीत की प्रस्तुति एवं स्थानीय अध्यक्ष श्रीमती नेहा जैन ने स्वागत वक्तव्य दिया। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुतविभाजी के संदेश का वाचन ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने बहिनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के साथ-साथ बहिनें स्वावलम्बन की दृष्टि से जॉब से भी जुड़ी हुई है। जॉब के साथ-साथ वे घर-परिवार को भी समय दें, पारिवारिक दायित्वों का भी सम्यक निर्वहन करे। मुख्य अतिथि श्रीमती मिलेना कुर्रे ने महिलाओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि घर परिवार से बढ़ कर कुछ नहीं है। कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए मुनिश्री सुधाकरजी ने चार बिन्दुओं- भूषा, भाषा, भोजन एवं भजन का विवेचन करते हुए कहा कि ये चार बातें संयुक्त परिवार की नींव है। महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल ने कहा कि अगर आप खुश रहोगे तो आपका परिवार भी खुश रहेगा। कार्यशाला में ट्रस्टी श्रीमती ज्योति जैन, संगठन मंत्री श्रीमती रमण पटावरी, प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा ने भी हर्षाभिव्यक्ति के साथ अपने विचार व्यक्त किए। अभातेममं पदाधिकारियों ने सभी बहिनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया व राकास श्रीमती संगीता बाफना ने अधिकाधिक संख्या में संकल्प पत्र भरने की प्रेरणा दी। संभागी सभी क्षेत्र को अभातेममं टीम द्वारा सर्टिफिकेट दिए गए। कार्यशाला में रायपुर के साथ छत्तीसगढ़ से भिलाई, दुर्ग, राजनांदगांव, अंबिकापुर, मनेन्द्रगढ़, बैकुंटपुर, जगदलपुर, बिलासपुर, सरायपाली, कोरबा व राजिम आदि 12 क्षेत्रों से तेरापंथ महिला मंडल की बहिनों ने भाग लिया। कार्यशाला का कुशल संचालन मंत्री मधुर बच्छावत एवं आभार ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती ज्योति जैन ने किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा का स्वागत

17 जुलाई, 2024। जैन विश्व भारती के अंतर्गत विभिन्न उपक्रमों के शिलान्यास समारोह में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की सहभागिता रही। इस अवसर पर अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने मंडल की गतिविधियों से अवगत करवाते हुए जैन विश्व भारती के प्रति बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

इस अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा, केन्द्रीय कानून व न्याय मंत्री श्री अर्जुनराम मेघवाल एवं राजस्थान पत्रिका के प्रधान सम्पादक श्री गुलाब कोठारी को मंडल द्वारा नारीलोक एवं समर्पण पत्रिका का अंक भेंट किया गया। अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, उपाध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, राकास श्रीमती पुष्पा बैद एवं श्रीमती प्रीति घोसल ने सभी गणमान्य अतिथियों का स्वागत मोमेंटो भेंट कर एवं पटका पहनाकर किया।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा 'श्रेष्ठ अनुशासित संगठन' एवं 'श्रेष्ठ NGO' के सम्मान से सम्मानित

5 जुलाई, 2024, रायपुर। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रेष्ठ अनुशासित संगठन के सम्मान से सम्मानित किया गया। प्रशासन की ओर से रायपुर नगरपालिका निगम के अध्यक्ष श्री प्रमोद दुबे ने यह सम्मान अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा एवं महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल को प्रदान किया।

इसी क्रम में छत्तीसगढ़ के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल द्वारा अभातेममं को बेस्ट NGO के सम्मान से सम्मानित किया गया।

उपरोक्त अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ ट्रस्टी श्रीमती कल्पना बैद, श्रीमती ज्योति जैन, संगठन मंत्री श्रीमती रमण पटावरी, प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, राकास श्रीमती संगीता बाफना, तेममं, रायपुर की अध्यक्ष श्रीमती नेहा जैन, मंत्री श्रीमती मधुर बच्छावत, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रमिला बरलोटा एवं पूर्व अध्यक्ष श्रीमति प्रतिभा पोकरना भी सहभागी रही।

समृद्ध राष्ट्र योजना

कन्या सुरक्षा बैंच

5 जुलाई, 2024, रायपुर। तेरापंथ महिला मंडल, रायपुर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत स्थानीय **Fun Festa Ground, Tagore Nagar** में 8 कन्या सुरक्षा बैंच लगवाई गई जिसका अनावरण अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा द्वारा किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ महामंत्री श्रीमती नीतू ओस्तवाल, प्रचार-प्रसार मंत्री श्रीमती सरिता बरलोटा, संगठन मंत्री श्रीमती रमण पटावरी, राकास श्रीमती संगीता बाफना एवं स्थानीय मंडल से अध्यक्ष श्रीमती नेहा जैन, मंत्री श्रीमती मधुर बच्छावत, उपाध्यक्ष श्रीमती प्रमिला बरलोटा, पूर्व अध्यक्ष श्रीमती प्रतिभा पोकरना व श्रीमती सरिता सेठिया तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्य भी सहभागी रहे।

नाथीलीक प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी

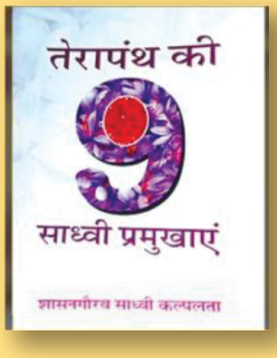

अगस्त, 2024

सन्दर्भ पुस्तक : तेरापंथ की 9 साध्वी प्रमुखाएं (पेज संख्या 36 से 65)

निम्न प्रश्नों के उत्तर दें

1. साध्वियों द्वारा कृत पहला चित्र कौनसी साध्वी का मिलता है?
2. आज भगवती जोड़ के कितने खंड जैन वाङ्मय की विलक्षण धरोहर है?
3. कृत्रिकापण किसका शब्द है?
4. संयम जीवन में सर्वाधिक आवश्यक किसकी साधना करना है?
5. जयाचार्यश्री की दृष्टि में आगम वर्णित प्रवर्तिनी के सभी गुण किसमें प्रत्यक्ष थे?
6. तेरापंथ साध्वी समाज में संस्कृत भाषा की प्रथम पाठिका कौन थी?
7. साध्वीप्रमुखा सरदारांजी को लगभग कितने प्रहर का संथारा आया?
8. किसने कहा कि मुझे उन्हें (गुलाब सती) देखकर लगा वे तो साकार सरस्वती की प्रतिमूर्ति हैं?
9. गुलाब सती ने सर्वप्रथम मध्याह्न का व्याख्यान कहाँ पर देना प्रारम्भ किया?
10. दूसरी अवधारणा के अनुसार सरदारसती पिछले भव में किसकी पुत्री थीं?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें

11. जयाचार्यश्री ने सर्वाधिक विशाल आगम भगवती सूत्र की राजस्थानी भाषा में पद्यबद्ध रचना सं. ..... में प्रारंभ की।
12. इस लेख-पत्र में फाल्गुन शुक्ला चतुर्दशी के दिन ..... अग्रणी साध्वियों ने हस्ताक्षर किए, जो आज भी सुरक्षित है।
13. संवत् .....माघ शुक्ला पूनम को श्रीमज्जयाचार्य श्री पदासीन हुए।
14. सं. ..... फाल्गुन कृष्णा षष्ठी को बीदासर में श्री मज्जयाचार्यश्री ने सर्वप्रथम तीन बहिनों को भागवती दीक्षा प्रदान की।
15. संवत् 1926 की फाल्गुन शुक्ला ..... को जयाचार्यश्री ने साध्वीप्रमुखा सरदारांजी को व्यवस्थित रूप से साध्वियों के सिंघाड़े बनाने का निर्देश दिया।
16. सं. ..... में जयाचार्यश्री ने सरदारसती को साध्वीप्रमुखा पद पर नियुक्त कर साध्वियों को सारसंभाल का संपूर्ण दायित्व सौंपा।
17. एक रात्रि में ..... नए सिंघाड़ों का निर्माण कर श्रीचरणों में प्रस्तुत कर दिया।
18. सं. ..... पौष शुक्ला दशमी को बीदासर में साध्वी प्रमुखा सरदारांजी का स्वर्गवास हो गया।
19. जयाचार्यश्री ने शासन संभालते ही सं. ..... में एक महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ किया- प्रतिवर्ष गुरु दर्शन की प्रेरणा का।
20. विक्रम की बीसवीं शताब्दी के शुभारंभ में सं. .. कार्तिक शुक्ल पक्ष में बेगवाणी परिवार में एक कली खिली, जिसका नाम रखा गया- गुलाब।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें : संयोजिका : श्रीमती इन्दिरा लुणिया, कटक

Mob.: 9438368264, E-mail: luniaindira@gmail.com

Google Form submit करने की अन्तिम तिथि : 20 अगस्त, 2024

Google Form Link : https://forms.gle/nUbMGHyKGdLsQ1Ht9

जुलाई, 2024 प्रश्नोत्तरी के सही उत्तर

1. अस्सी	2. नागौर	3. चंदना देवी	4. पन्द्रह सौ	5. चूरू
6. पाँच	7. अफीम	8. दो	9. दस	10. बाजोली
11. वेशभूषा	12. तपःसाधना	13. दीक्षा	14. निशीथ	15. अष्टमी
16. चौविहार	17. संयम	18. आत्माराधना	19. केशलुंचन	20. रूपकंवर

जुलाई, 2024 प्रश्नोत्तरी के भाग्यशाली विजेता

1. क्रांति खटेड़, विजयनगरम	2. अरुणा मादरेचा, दहिसर	3. सुशीला देवी बडेरा, टापरा
4. निर्मला जैन, जयपुर	5. प्रीति लुणिया, दक्षिण कोलकाता	6. कुसुम जैन, कोटा
7. लीला चिपड़, लावासरदारगढ़	8. मुन्नी कोठारी, चूरू	9. सरोज सेठिया, कालू
	10. नीतू श्रीश्रीमाल, मांड्या	

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
को प्राप्त अनुदान

अनुदान सूची एवं प्रेरणा दाता

1.	तेरापंथ महिला मंडल, रायपुर	51,000
2.	स्व. श्री गोकुलचंद जी पटावरी–श्रीमती कमला देवी पटावरी की स्मृति में सप्रेम भेंट श्री राजेश–मनीषा पटावरी, श्री सौरभ–स्वाति पटावरी, सुरभी पटावरी, जयपुर	21,000
3.	श्री भरत जी–श्रीमती शीला जी आंचलिया के 50वीं शादी की वर्षगांठ पर सप्रेम भेंट श्री प्रवीण–श्रीमती प्रतिभा आंचलिया, श्री अनन्त–श्रीमती ज्योति आंचलिया, जयपुर	21,000
4.	श्री छत्तर सिंह जी, श्रीमती प्रेम देवी, श्री संदीप, श्रीमती सीमा बाफना कोलकाता–सुजानगढ़ (भावना सेवा)	21,000
5.	तेरापंथ महिला मंडल, अमराईवाडी (भावना सेवा)	21,000
6.	गुप्तदान	11,000
7.	तेरापंथ महिला मंडल, बाली बेलुड़ (भावना सेवा)	7,100
8.	श्री सुरेश–श्रीमती शर्मिला नाहटा, जयपुर (भावना सेवा)	5,100
9.	श्री महेन्द्र–श्रीमतीस्नेह लोढ़ा के सुपौत्री जन्म (सुपुत्री श्री मेहुल–श्रीमती अदिति लोढ़ा) के उपलक्ष्य में, जयपुर	5,100

सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी' जैन विश्व भारती, लाडनूं 341 306 (जिला– नागौर, राजस्थान)

श्री नारीलोक

देखने हेतु
www.abtmm.org
www.facebook.com/abtmmjain/
https://bit.ly/abtmmyoutube

महामंत्री कार्यालय
महामंत्री
नीतू ओस्तवाल
5-0-1&2, आर.सी. व्यास कॉलोनी,
सूर्यांश, मदर टैरेसा स्कूल के पास,
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मो.: 9257011205
secretary@abtmm.org

कोषाध्यक्ष कार्यालय
कोषाध्यक्ष
तरुणा बोहरा
203, 204, सांघवी एक्जोटिका,
मराठा कॉलोनी, दहिसर वेस्ट,
मुम्बई-400068
मो.: 8976601717
tarunajain365@gmail.com